निवाई में नकली घी की पैकेजिंग यूनिट पर दबिश, आरोपी गिरफ्तार

मौके से एक लाख की नकदी व अन्य पैकेजिंग सामग्री जप्त, यूनिट को सीज किया

निवाई/टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में चलाये गये विशेष अभियान के तहत जिला स्पेशल टीम ने कार्रवाई करते हुए निवाई के रीको औद्योगिक क्षेत्र में नामी ब्रांड्स के नाम पर नकली घी की पैकेजिंग करने वाली यूनिट पर दबिश देकर फर्जी नाम का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में नकली पैकेजिंग सामग्री, टीन, रैपर और प्रिंटिंग उपकरण बरामद किए तथा यूनिट को सीज कर दिया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी अमन जैन (30) पुत्र पदमचंद जैन, निवासी जमात निवाई को मौके से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक लाख रुपए नकद और एक कार भी जप्त किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी यूनिट में सरस, अमूल, मधुसूदन, कृष्णा और महावन सहित अन्य ब्रांड्स के नाम से पैकेजिंग सामग्री तैयार कर रहा था। पुलिस के अनुसार राजस्थान के जयपुर, अजमेर, कोटा, भीलवाड़ा, ब्यावर और टोंक सहित कई जिलों में नकली घी की सप्लाई का नेटवर्क होने की आशंका है। पुलिस ने करीब 20 हजार 15-लीटर क्षमता वाले फर्जी टीन, पीपे, सरस घी के 50 हजार, कृष्णा के 60 हजार और महावन घी के 40 हजार नकली पैकिंग रैपर सहित अन्य सामग्री बरामद की है। इसके अलावा अमूल प्योर घी के 5 किलो वाले करीब 5 हजार फर्जी लेबल लगे डिब्बे और मधुसूदन के नकली रैपर लगे टीन भी मिले। इस दौरान 700 कलर फ्रेम, आईएसआई मार्क 10325 नंबर की डाई व स्टेपर तथा पैकिंग मशीन भी जब्त की गई।

जिला स्पेशल टीम मौके से नकली पैकेजिंग सामग्री, टीन, रैपर और प्रिंटिंग उपकरण बरामद किए।

- **जांच में सामने आया कि आरोपी यूनिट में सरस, अमूल, मधुसूदन, कृष्णा और महावन सहित अन्य ब्रांड्स के नाम से पैकेजिंग सामग्री तैयार कर रहा था**

पुलिस ने बताया कि मामले में धोखाधड़ी, खाद्य पदार्थों में मिलावट और कॉपीराइट सहित संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। जांच के बाद ही सामने आयेगा कि नकली पैकेजिंग के जरिए तैयार उत्पाद किन व्यापारियों, दुकानों और सप्लायर्स तक पहुंचाया जा रहा था। पुलिस इस नेटवर्क में जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

विकसित भारत-जन सेवा अभियान-2026

शिविर में बावड़ी की कसुंबी कंवर की वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत हुई

जयपुर/जोधपुर। जोधपुर के सेखाला में विकसित भारत जन-सेवा अभियान के तहत आयोजित शिविर में आने वाले हर व्यक्ति की अपनी जरूरत थी। किसी के लिए पेंशन की स्वीकृति जरूरी थी, किसी के लिए खेती से जुड़ी मदद थी। बावड़ी की कसुंबी कंवर और सेखाला के किसान भौम राम भी इसी उम्मीद के साथ शिविर का हिस्सा बने। शिविर समाप्त होने से पहले दोनों के पास अपनी-अपनी जरूरत से जुड़ी सरकारी सहायता थी।

कसुंबी कंवर पत्नी बाबू सिंह के लिए यह दिन विशेष रहा। शिविर में उनकी वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत हुई और हाथों-हाथ उन्हें पेंशन भुगतान आदेश प्रदान किया गया। कुसुंबी कंवर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते हुए कहा कि उम्र के इस पड़ाव पर नियमित आर्थिक सहायता उनके लिए रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण सहारा बनेगी। पेंशन का आदेश उनके हाथों में था, लेकिन उसके साथ जुड़ा भरोसा इससे कहीं बड़ा था।

- **सेखाला के किसान भौम राम भी उम्मीद के साथ शिविर का हिस्सा बने**

इसी शिविर में भौम राम पुत्र मोड़ा राम के प्रयासों को भी सफलता का रंग मिला। वे बताते हैं कि खेती ही उनके जीवन और आजीविका का आधार है। वे चाहते थे कि अपनी खेती के तरीके को बदलकर आर्थिक रूप से अधिक सक्षम हो सकें। उसके पास विकल्प था कि वे बदलती कृषि परिस्थितियों के बीच प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाएं। कैम्प में आवेदन करने पर कृषि विभाग ने उन्हें राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 4 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। ये 4 हजार रूपये बहुत छोटी राशि है लेकिन बड़े उद्देश्य की ओर सार्थक छलांग के लिए सरकार और समाज की स्वीकृति, समर्थन का संकेत है। राज्य सरकार की इस सहायता से भौम राम के प्राकृतिक खेती अपनाने के प्रयासों को आर्थिक आधार मिला। साथ ही गांव के अन्य किसानों को भी इस पद्धति की ओर आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलेगा।

विकसित भारत-जन सेवा अभियान 2026 इसी सोच के साथ राजस्थान के गाँवों और शहरों में योजनाओं एवं नागरिक सेवाओं की पहुँच को मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने तथा सेवाओं को अधिक सुगम बनाने पर जोर दिया जा रहा है। सेखाला में आयोजित विकसित भारत-जन सेवा अभियान शिविर को केवल दो स्वीकृतियों से नहीं देखा जा सकता। एक तरफ सामाजिक सुरक्षा की जरूरत थी, दूसरी तरफ आजीविका को नए तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिश। सरकारी व्यवस्था ने दोनों परिस्थितियों को उनकी जरूरत के अनुसार संबोधित किया।

मतदाता सूची में नाम नहीं, मामला हाईकोर्ट पहुंचा

लालसोट, (निसं)। लाडपुरा में कमलेश मीणा का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं होने का मामला अब प्रशासनिक स्तर से निकलकर राजस्थान हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार कमलेश मीणा ने दावा किया है कि उनके पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, मूल निवास प्रमाणपत्र, जमाबंदी, जनआधार कार्ड और मकान से जुड़े दस्तावेज मौजूद हैं। इसके बावजूद लाडपुरा की मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज नहीं होने पर उन्होंने आपत्ति जताई है। कमलेश मीणा ने अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए मतदाता सूची में नाम जोड़ने की मांग की। वहीं लालसोट एसडीएम विजेंद्र मीणा के अनुसार कमलेश और उनके परिवार के नाम लंबे समय से मतदाता सूची में दर्ज हैं और वहीं मतदान भी करते रहे हैं। प्रशासन की ओर से यह भी कहा गया कि दस्तावेजों की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मामले में संबंधित निर्वाचन अधिकारी के आदेश के बाद अपील की गई और प्रकरण दोबारा निर्वाचन अधिकारी के समक्ष भेजा गया।

फुलेरा में पानी की समस्या

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा की जनता के लिए पानी अब रोजमर्रा की सुविधा नहीं, इंतजार का विषय बन गया है। सात से आठ दिन के अंतराल में पानी की सप्लाई हो रही है। नल खुलते ही लोग पानी भरने में जुट जाते हैं और पानी बंद होते ही अगली सप्लाई का इंतजार शुरू हो जाता है। गौरतलब है कि नगर पालिका के चुनाव भी हो गए, नए जनप्रतिनिधि भी चुन लिए गए, लेकिन जनता की प्यास का मुद्दा अभी भी वहीं खड़ा है। चुनाव के दौरान जनता के बीच पहुंचकर समस्याएं सुनने का दौर चलता रहा, मगर अब चुनावी शोर थम चुका है और फुलेरा के नलों में पानी का इंतजार फिर लंबा हो गया है।

पुष्कर पशु मेले की तैयारियां जोरों पर

अजमेर/पुष्कर, (कासं)। आगामी नवंबर माह में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध पुष्कर पशु मेले की तैयारियों को लेकर पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को मेला स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का जायजा लेते हुए पशुपालकों, पशुओं और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए प्रस्तावित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान सभी तैयारियां मेले से पूर्व पूरी करने पर जोर दिया गया।

पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि मेला मैदान में नई सड़क के निर्माण के कारण पशुओं एवं पशुपालकों के लिए निर्धारित भूखंडों के नक्शे में आवश्यक संशोधन किया जा रहा है। संशोधित नक्शे के आधार पर मेला क्षेत्र में भूखंड आवंटन सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित किया जाएगा, ताकि मेले में आने वाले पशुपालकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला मैदान के स्वरूप, आवागमन मार्ग, पशुओं के लिए निर्धारित स्थान, विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

भीलवाड़ा में झोलाछाप के गलत इंजेक्शन से युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। स्वास्थ्य विभाग की सुस्त कार्यशैली और अवैध रूप से प्रैक्टिस कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही के कारण क्षेत्र में एक और दुखद हादसा सामने आया है। मामूली बुखार के इलाज के नाम पर दिए गए कथित गलत इंजेक्शन के कारण 21 वर्षीय युवक सूरजनाथ की मौत हो गई। इस घटना के बाद से बड़लियास कस्बे और आसपास के इलाके में भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़लियास निवासी सूरजनाथ (21) पुत्र शिवनाथ योगी को सोमवार शाम हल्का बुखार आया था। परिजन उसे कस्बे में ही स्थित एक तथाकथित बंगाली डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसे एक इंजेक्शन लगाया गया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगते ही सूरज की तबीयत बिगड़ने लगी।

हालत नाजुक होने पर परिजन तुरंत उसे जिला चिकित्सालय लेकर भागे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह मौत की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार जिला चिकित्सालय की मोर्चरी के बाहर एकत्र हो गए। मृतक के परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया। भाजपा नेता दिलीप सिंह और परिजनों ने प्रशासन के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं जिनमें पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, क्षेत्र में 24 घंटे सरकारी चिकित्सक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और अवैध नीम-हकीमों पर तुरंत कार्रवाई हो। ग्रामीणों का कहना है कि रात में चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में उन्हें मजबूरी में ऐसे क्लीनिकों का रुख करना पड़ता है। घटना की सूचना मिलते ही बड़लियास थाना प्रभारी जसवंत सिंह पुलिस जाप्ते के साथ मोर्चरी पहुंचे और ग्रामीणों को शांत कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी बंगाली डॉक्टर को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। चिकित्सकीय कारणों और मौत की सही वजह की पुष्टि पोस्टमार्टम व मेडिकल जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। समाचार लिखे जाने तक मांगों को लेकर परिजनों के विरोध के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था।

मृतक युवक

- **मामूली बुखार के इलाज के नाम पर दिया था कथित गलत इंजेक्शन**
- **पुलिस ने आरोपी बंगाली डॉक्टर को हिरासत में लिया, पूछताछ जारी**

नाबालिग बालक को किया रेस्क्यू

कोटा, (निसं)। रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत रेलवे स्टेशन पर अकेले घूम रहे 14 वर्षीय नाबालिग बालक को रेसक्यू कर चाईल्ड लाईन को सौंपा। बालक घर से नाराज होकर बिना बताए दिल्ली से कोटा आ गया था। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने यह जानकारी दी।

आरटीओ व एआरटीओ प्रशासन ने पीड़ित महिला को न्याय दिलाया

कानपुर। आरटीओ कार्यालय में मंगलवार को अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता की एक मिसाल देखने को मिली। वाहन ट्रांसफर कराने आई एक महिला और उनके भाई के साथ बिचौलिए द्वारा अभद्रता और विवाद करने की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। अधिकारियों ने न केवल स्थिति को संभाला, बल्कि पीड़िता की समस्या का समाधान कराया।

- **महिला और भाई के साथ बिचौलिए द्वारा अभद्रता की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यवाही की**
- **अधिकारियों ने पीड़िता को चालान जमा करने व बीमा प्रदूषण प्रमाण पत्र बनवाने का मार्गदर्शन दिया**

कानपुर देहात के बनी गाँव की रहने वाली अंकिता तिवारी ने अपने भाई अमित तिवारी के साथ आरटीओ कार्यालय पहुँची और बताया कि दो महीने पहले उन्होंने एक बिचौलिए को कागजात सौंपे थे, जिसने काम अटका रखा था। जब उन्होंने अपने दस्तावेज वापस मांगे, तो बिचौलिए ने बहस व धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इस दौरान कार्यालय की एक सतर्क महिला कर्मचारी (बाबू) ने बिना अपनी परवाह किए आगे आकर तुरंत बचाव किया और अधिकारियों को सूचित किया। हंगामे की जानकारी मिलते ही आरटीओ प्रशासन राकेन्द्र कुमार सिंह और एआरटीओ प्रशासन कहकशां खातून तुरंत मौके पर पहुँची उन्होंने पीड़िता और उनके भाई को ढांढस बँधाया और प्राथमिकता के आधार पर उनकी फाइल मंगवाई। फाइलों की तुरंत जाँच कराने पर पता चला कि गाड़ी पर पुराना चालान बकाया था और प्रदूषण प्रमाणपत्र लंबित था, जिसकी सही जानकारी बिचौलिए ने आवेदिका से छिपाई थी। अधिकारियों ने पारदर्शी प्रक्रिया समझाते हुए पीड़िता को चालान जमा करने व बीमा प्रदूषण प्रमाण पत्र बनवाने का सही मार्गदर्शन दिया और संबंधित बाबू को निर्देश दिए कि औपचारिकताएं पूरी होते ही काम प्राथमिकता पर पूरा किया जाए।

आरटीओ प्रशासन द्वारा 24 अगस्त को चलाए गए विशेष अभियान के बाद से परिसर में बिचौलियों पर नकेल कसी गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और अधिकारियों के लगातार सरप्राइज चेकिंग अभियानों के चलते आम जनता अब बिना किसी डर के अपने काम सीधे खिड़की पर जाकर करा रही है। अधिकारियों ने दोहराया है कि जनता की सुविधा और सुरक्षा विभाग की पहली प्राथमिकता है और किसी भी तरह की धोखाधड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कानपुर में आरटीओ प्रशासन राकेन्द्र कुमार सिंह और एआरटीओ प्रशासन कहकशां खातून ने पीड़िता और उनके भाई से जानकारी ली।

केमिकल फैक्टरी आगजनी मामला : फरार फैक्टरी मालिक ने किया सरेण्डर

जोधपुर, (कासं))। बासनी औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक कॉलोनी स्थित एक केमिकल फैक्टरी में बुधवार शाम को हुई आगजनी की घटना में फरार चल रहे फैक्टरी मालिक राजेंद्र अग्रवाल ने सुबह बासनी थाने में सरेण्डर कर दिया। गिरफ्तारी के बाद फैक्टरी मालिक राजेंद्र अग्रवाल को पुलिस ने दोपहर में कोर्ट में पेश किया।

बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि आरोपी राजेंद्र अग्रवाल ने सुबह बासनी थाने में खुद को पेश किया था। वह बुधवार को घटना के बाद से ही फरार था। उसके सरेण्डर किए जाने पर गिरफ्तार कर लिया गया और दोपहर में कोर्ट में पेश किया गया। उससे घटना और अन्य पहलुओं को लेकर पूछताछ की जाएगी। उसके पुत्र स्पर्श को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। मामले चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया की तरफ से बासनी थाने में केस दर्ज कराया गया था। गौरतलब है कि इस आगजनी में तीन फायर फाइटरों की मौत हो चुकी है। 14 लोग इस आगजनी में झुलस गए थे, जिनमें 13 फायर फाइटर है। छह फायर फाइटरों को गुरूवार को ग्रीन कोरिडोर कर जयपुर भेजा गया था। जिनका जयपुर में उपचार चल रहा है। वहीं जोधपुर में भर्ती एक और की हालत गंभीर बनी है। इस हादसे में प्रीतेश प्रजापत, सुरेंद्र एवं प्रदीप का निधन हो गया था। सुरेंद्र एवं प्रदीप की सोमवार को जोधपुर एमजीएच में मौत हो गई थी।

- **सरेण्डर किए जाने पर फैक्टरी मालिक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया**

तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस व जिला विशेष टीम कोटा ग्रामीण ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 6 ग्राम 60 मिलीग्राम स्मैक सहित तस्कर लक्ष्मीनारायण (56) को गिरफ्तार किया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद थानाधिकारी पवन कुमार मय टीम तथा जिला विशेष टीम कोटा ग्रामीण ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए डेरु माताजी मन्दिर के पीछे जंगली बम्बुल के पास ग्राम हिंगी में एक बाइक सवार व्यक्ति पर संदेह होने पर उसे रोककर डिटेन कर उसकी तलाशी ली तो तलाशी के दौरान उसके पास से 6 ग्राम 60 मिलीग्राम स्मैक बरामद की गई।

अजमेर में सीआरपीएफ जवान से मारपीट और लूट के चार आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। अजमेर पुलिस ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान से मारपीट, अपहरण और लूट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 25 सितंबर की रात मदद के बहाने जवान को जनाना अस्पताल बुलाया और सफेद रंग की स्विफ्ट कार में बैठाकर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बिना नंबर की स्विफ्ट कार भी जब्त की है।

- **आरोपियों ने 25 सितंबर की रात मरीज की मदद के बहाने जवान को जनाना अस्पताल बुलाया और मारपीट की थी**
- **आरोपियों ने जवान के मोबाइल से बैंक खातों से 89 हजार अलग-अलग खातों में स्थानांतरित करवाए थे**

अजमेर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जनाना रोड निवासी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान किशोर कुमार को 25 सितंबर की रात करीब 10 बजे मोबाइल एप पर संदेश आया था। संदेश में अस्पताल में एक मरीज को मदद की जरूरत बताई गई थी। संदेश मिलने के बाद जवान जनाना अस्पताल पहुंचा। अस्पताल में उसे एक युवक सफेद रंग की स्विफ्ट कार में मिला। युवक ने जवान से कहा कि मरीज आगे है और उसे कार से वहां ले जाना है। जवान उसके साथ कार में बैठ गया। इसके बाद युवक के तीन अन्य साथी भी कार में सवार हो गए। कार में बैठने के बाद आरोपियों ने जवान के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसके कपड़े उतरवाकर आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो को सामाजिक माध्यमों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के समूह में प्रसारित करने की धमकी दी गई।

आरोपियों ने जवान को कार में नीचे मुंह करवाकर बैठा दिया और करीब दो घंटे तक शहर में घुमाते रहे। इस दौरान उसे लगातार धमकाया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने धमकी देकर जवान के मोबाइल से बैंकिंग एप और यूपीआई के माध्यम से 89 हजार रुपये अलग-अलग खातों में स्थानांतरित करवाए। रकम स्थानांतरित करवाने के बाद आरोपियों ने जवान का सिम कार्ड निकाल लिया। इसके बाद उसे मोबाइल और बाइक के पास छोड़कर मौके से फरार हो गए।

मामले की रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की स्विफ्ट कार भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों से लूटी गई रकम की बरामदगी तथा वारदात में उनकी भूमिका को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने चारों आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

भारतमाला-हाइवे पर उतरे सेना के हेलिकॉप्टर

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से करीब 80 किलोमीटर दूर राजस्थान का रेगिस्तानी इलाका भारतीय सेना के हेलिकॉप्टरों से थर्रा उठा। बीकानेर में दंतौर के पास भारतमाला नेशनल हाइवे-911 के निर्धारित हिस्से पर भारतीय सेना की एविएशन यूनिट ने हेलिकॉप्टर लैंडिंग और टेकऑफ का अभ्यास किया। हाइवे को करीब आधे घंटे के लिए सैन्य रनवे में तब्दील कर दिया गया, जहां सेना के रुद्र, ध्रुव और चेतक हेलिकॉप्टरों ने हाइवे पर निर्धारित स्ट्रेच में लैंडिंग और टेकऑफ ड्रिल की। भारतमाला हाइवे पर लैंडिंग करने पहुंचे।

- **इंडियन आर्मी के अनुसार, यह एक ड्रिल थी**

इंडियन आर्मी के अनुसार, यह एक ड्रिल थी, जिसमें आपातकालीन स्थितियों में हाइवे पर लैंडिंग और टेकऑफ को परखना था। रेगिस्तानी इलाके में आयोजित इस अभ्यास के दौरान पायलटों ने सीमित और निर्धारित लैंडिंग स्पेस में हेलिकॉप्टर संचालन की प्रक्रियाओं का अभ्यास किया। छत्तरगढ़ थानाधिकारी सुरेंद्र बारुपाल ने बताया कि करीब आधा घंटे तक चले इस ड्रिल के दौरान दोनों तरफ से रास्ता बंद रखा गया था। सेना की ओर से यह ड्रिल की गई थी।

मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्त में

आरोपी ने ई-रिक्शा की लोन की किश्त जमा करवाने के लिए चोरी की थी

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी इलाके में मकान का ताला तोड़कर सामान व नकदी चोरी के दर्ज मामले में रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी से चोरी का माल बरामद किया एवं चोरी की घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा को जब्त किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वीनी गौतम ने बताया कि 27 सितम्बर को फरियादी विशाल ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि डीजे का कार्य करता है, डीजे का सामान रखने हेतु कैलाशपुरी में किराये पर मकान ले रखा है। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि ई-रिक्शा से एक व्यक्ति आया और मकान का ताला तोड़कर लैपटॉप व चार्जर व डीजे मिक्सर एवं आठ हजार रूपये नगद राशि ले गया जो कि कैमरे की रिकॉर्डिंग में साफ ले जाता हुआ नजर आया है।

शहर एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले का खुलासा करने के लिये रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर संदिग्ध की पहचान की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का संकलन व मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए थाना नान्ता के मोहन लाल सुखाड़िया योजना निवासी अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू (33) को डिटेन कर चोरी के प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी के पास से चोरी गया माल बरामद करने में सफलता हासिल की है, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

गिरफ्तार आरोपी।

- **पुलिस ने चोरी की वारदात में प्रयुक्त ई-रिक्शा व चोरी का माल जब्त किया**

शहर एसपी ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपी से पूछताछ व अनुसंधान में सामने आया कि आरोपी अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू ने एक ई-रिक्शा लोन पर खरीदा था जिसकी किश्ते समय पर जमा नहीं करवा पाने से किश्ते बाकि हो गई थी आरोपी ने लोन की किश्त जमा करवाने के लिए चोरी की थी। आरोपी अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू ने रात्रि के समय ई-रिक्शा से घटनास्थल पर पहुंचकर मकान का ताला तोड़ा तथा अंदर रखे सामान लैपटॉप, डीजे मिक्सर एवं नकदी को चोरी कर ले गया था। मुल्जिम अतीक मोहम्मद उर्फ अज्जू चोरी किये गये डीजे के सामानों को बेचकर लोन की किश्तें जमा करवाना चाहता था।